सरगम 4

पाठ 1. अभिमान देश का

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक विचार संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे चीज़ों व घटनाओं को देखने और करने का अभिनव तरीका अपना सकें। मनुष्य जिस देश-समाज में रहता है उसके प्रति आदर व सम्मान के साथ-साथ उसे उस पर अभिमान भी होना चाहिए। जहाँ की प्रकृति और समाज के बीच हम बड़े होते हैं उन सबका हम पर बहुत उपकार होता है। कवि ने यहाँ अपने देश और देश की जन-शक्ति का गुणगान किया है।

पाठ का सार

कवि ने इस कविता में भारत भूमि के चरणों के पखारने वाले सागर, यहाँ की मिट्टी के कण-कण को सींचती नदियों और भारत माता के श्वेत मुकुट हिमालय को बहुत आदर और प्रेम से याद किया है। भारत के लोगों ने संसार में ज्ञान फैलाने में जो भूमिका निभाई है, कवि उस भूमिका को बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं। हमारे वेदों-पुराणों में यही सब तो समाया है। कवि यह मानकर चल रहे हैं कि जिस देश के करोड़ों प्राणी उससे इतना प्यार करते हों, उस देश का प्रगति की राह पर बढ़ना और बढ़ते चले जाना पूरी तरह संभव जान पड़ता है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  बच्चों को भारत देश के बारे में जानकारी दें। उत्तर में हिमालय स्थित है। इस पर्वत की विशेषता बताएँ। भारत की सीमा से लगे सागरीय क्षेत्र का वर्णन करें। बच्चों को यह भी बताएँ कि किसी ज़माने में भारत को 'जगद्गुरु' क्यों कहा जाता था। आज के संदर्भ में भारत के विकास के बारे में भी बताएँ। देश के प्रति प्रेम व समर्पण की भावना जगाएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों** व **पहेलियों** के उत्तर देने का अवसर अधिक से अधिक बच्चों को मिले, यह अवश्य सुनिश्चित करें। अशुद्ध उत्तरों की दशा में अन्य बच्चों से शुद्ध उत्तर देने की अपेक्षा करें।
  - **पठित परिच्छेद** के अंतर्गत पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सटीक हों, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
  - **पाठ आधारित प्रश्नों** के उत्तर मूल पाठ में से ढूँढ़ने को कहें और यह सुनिश्चित करें कि वे उन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - बच्चों को बताएँ कि कुछ शब्दों के अर्थ समान अर्थात् मिलते-जुलते होते हैं। उन्हें यह भी बताएँ कि समानार्थी शब्दों को पर्यायवाची शब्द भी कहा जाता है।
  - बहुवचन बनाते समय शब्द के रूप किस प्रकार बदलते हैं, इसे अच्छी तरह से समझाएँ। जैसे–**याँ** का जुड़ना, **ए** की मात्रा का लगना, आदि।
  - शुद्ध-अशुद्ध शब्दों की पहचान के लिए उच्चारण का सहारा लिया जा सकता है।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - इस क्रियाकलाप का उद्देश्य भारत की भौगोलिक स्थिति से बच्चों को परिचित कराना है।